हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 फरवरी , 1993

खण्ड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 23 फरवरी, 1993

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल का अभिभाशण–	(1)1
(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	
भाोक प्रस्ताव	(1)16
सभा का स्थगन	(1)30

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 23 फरवरी, 1993

विधान सभा की बैठक हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1 चण्डीगढ में 3.20 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker: In pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Co iduct of business in the Haryana Legislative Assembly I have to report that the Govrnor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly at 2.00 P.M. today the 23rd February, 1993 under Artiele 176 (1) of the Constitution. A copy of the address is laid on the Table of the House.

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण,

मुझे हरियाणा विधान सभा के इस वर्श के प्रथम अधिवे ान में आप सब का स्वागत करते हुए अत्यन्त हर्श हो रहा है। मै इस अवसर पर आपको अपनी हार्दिक भ्ाुभकामनाएं देता हू।

माननीय सदस्यगण, हमारा दे ा आज एक बड़े नाजुक दौर से गुजर रहा है। एक तरफ तो प्रधान मंत्री श्री पी0 बी0 नरसिंह राव के नेतृत्व में केन्द्र सरकार आर्थिक कायाकल्प के लिए

भरसक प्रयत्न कर रही है, दूसरी और कानून और व्यवस्था की बिगड़ी हालत और दे ा के कई हिस्सों में भड़के साम्प्रदायिक दंगे, हमारे दे ा की एकता, अखण्डता तथा धर्मनिरपेक्षता के लिए खतरा बन रहे है। अतः आज यह अनिवार्य हो गया है कि हम सब एजजुट हो जाएं ताकि साम्प्रदायिक एवं पृथकतावादी ताकतें हमारी आर्थिक प्रगति, विकास एवं हमारे समाज की सदियों पुरानी मैत्री और सद्भाव को तबाह न कर सकें।

वर्श 1992 के दौरान, राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति कुल मिलाकर नियंतण में रही, परन्तु अयोध्य में बाबरी मस्जिद के विवादग्रस्त ढांचे को गिराए जाने के कारण दे ा के विभिन्न भागों में भड़के साम्प्रदायिक दंगों का कुछ प्रभाव हमारे राज्य पर भी पड़। हरियाणा के मेबात क्षेत्र में कुछ अप्रिय घटनाएं हुई परन्तु सरकार द्वारा समय पर की गई प्रभावी कार्यवाही और राज्य में साम्प्रदायिक सद्भाव की पुरानी परम्परा के कारण स्थिति पर भीघ्र ही काबू पर लिया गया, जिसके परिणाम–स्वरूप दे ा के अन्य हिस्सों कें मुकाबले यहां पर जान–माल की हानि नाममात्र ही हुई।

आंतकवाद के बढ़ते हुए खतरे का सफतापूर्वक सामना करने क लिए में पंजाब सरकार को बधाई देंता हूं। पंजाब में आंतकवादियों पर बढ़ते हुए दबाव के कारण, हरियाणा एक संवेदन ील क्षेत्र बन गया था परन्तु हमारे सुरक्षा बलों द्वारा कु ालतापूर्वक और होि ायारी से कार्यवाही करने के फलस्वरूप

समस्या का संतोशजनक ढंग से समाधान कर दिया गया। वर्श 1992 को दूसरी छः माही में आंतकवाद की केवल 7 घटनाएं हुई और केवल 12 नागरिक हताहत हुए। वर्श के दौरान गिरफ्तार किए गए या मारे गए आंतकवादियों की संख्याा में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

राज्य को आंतकवादियों के खतरे से मुक्त रखने के लिए सरकार ने कई ठोस कदम उठाए है। बार्डर पुलिसिंग स्कीम के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों की व्यापक निगरानी के लिए 9 थाने और 31 सीमाचौकियों की स्थापना की गई। पुलिस बल को की स्थापना की गई है और उन्हें आंकवादियों के विरूद्ध तुरंत कार्यवाही करने के लिए प्रि ाक्षित किया गया है। राज्य के भीतर तथा केन्द्रीय पुलिस संगठनों के प्रि ाक्षण केन्द्रो में विभिन्न आोहदों के पुलिस कमियों को वि ाश्ट प्रि ाक्षण भी दिया गया है। मेरी सरकार सुरक्षा बलों का भी होसला बढ़ाने की कोि ा ा करती रही। भारत के राश्ट्रपति ने रोहतक के सैकेण्ड लैफ्टिनैट राके ा सिंह को मरणोपरान्त अ ाोकचक से सम्मानित किया। इस वीर ने गत वर्श दिसम्बर में जम्मू तथा क मीर में आंतकवादियों के साथ लड़ते हुए मातृभूमि के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया था। राज्य सरकार ने भी स्वर्गीय राके ा सिंह को परिवार को एक लाख का नकद इनाम, 25,000 रूपय की अनुग्रह रा ि ा तथा उसकी माता को 1,200 रूपय प्रतिवर्श पें ान प्रदान की है। भारत के राश्ट्रपति द्वारा सिंरसा के श्री जगदेव सिंह को भी, जो

आंतवादियों का मुकाबला करते हुए भाहीद हो गए थे, भाान्ति के समय के सर्वोच्च पुरस्कार भाौर्यचक्र से सम्मानित किया गया।

2. मेरी सरकार विकास की गति को और तेज करने और समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए अवसर जुटाने हेतु भरसक प्रयत्न कर रही है। वर्श 1993–94 की योजना के लिए 920 करोड़ रूपय का परिव्यय अनुमोदित किया गया है जो कि चालू वर्श क परिव्यय के मुकाबले लगभग 15.6 प्रति ात अधिक है। जिन मुख्य क्षेत्रों में यह योजना रा ि ा आबंटित की गई है, वे है:– समाज सेवाएं 37 प्रति ात बिजली 24.1 प्रति ात सिचाई तथा बाढ़ नियंत्रण 16.2 प्रति ात।

राज्य ने नवम्बर 1991 से लेकर अक्तूबर 1992 तक अपनी स्थापना का रजत जंयती वर्श मनाया। प्रगति की रफ्तार को और तेज करने के लिए मेरी सरकार ने 25 सूत्री एक वि ोश प्रोग्राम लागू किया, जिसके बहुत उत्साहवर्धक परिणाम निकाले। राज्य के रजत जयंती वर्श के उपलब्ध में हरियाणा को बहुमुखी प्रगति को द र्ाने वाली डाक टिकट उस समय के केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री द्वारा रिवाड़ी में जारी की गई।

3. राज्य में जरूरतमंद व्यक्तियों को सामजिक एवं आर्थिक न्याय प्रदान करने हेतु समाज सेवा तथा सामजिक सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दी गई है। समाज कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही गतिविधीयों को समन्वित और गति ील करने तथा

वृद्धों, अ ाक्तों विकलांगों, निराश्रित महिलाओं एव विधावओं तथा अनाथ एवं बेसहारा बच्चों के लिए स्कीमों को व्यापक रूप से लागू करने हेतु प्रथम अप्रैल, 1992 से सामजिक सरंक्षण एवं सुरक्षा का एक अलग निदे ाायल स्थापित किया गया। वर्श 1993–94 के दौरान राज्य सरकार का 7.59 लाख निराश्रित महिलाओं एवं विधावाओं को पे ान देने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, भाारीरिक रूप से अपंग 11,900 विद्याथियों को छात्रवृत्तिया भी दी जाएंगी।

4. मेरी सरकार पोशहार, स्वास्थ्य, सामाजिक प्रतिश्ठा और आर्थिक उत्थान द्वारा महिलाओं के जीवन में सुधार लाने और उन्हें गरिमा प्रदान करने की ओर वि ोश ध्यान दे रही है। भाहरी कामकाजी महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए जिला मुख्यालयों में 12 कामकाजी महिला होस्टल है और सरकार का चरणबद्ध ढंग से सभी जिला तथा खण्ड मुख्यालयों में यह सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव है। मेरी सरकार इटेगरेटिड प्राजैक्ट फार विमेन एम्पावरमैंट एण्ड डिवैल्पमैंट नामक योजना तैयार कर रही है, जिस पर 28 करोड़ रूपय खर्च होंगे और यह रा ि ा संयुक्त राश्ट्र जनसंख्या निधि एवं अन्य साधनों से जुटाई जाएगी।

बच्चों को महत्वपूर्ण मानव संसाधन माना गया है। उन्हें स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए एकीकृत बाल विकास सेवा स्कीम, 92 ग्रामीण तथा 5 भाहरी खण्डों में चलाई जा रही है,। वर्श 1993–94 में इस स्कीम के अन्तर्गत 8 और खण्ड भामिल

करने का प्रस्ताव है जिससे लाभभोगियों की कुल संख्या बढ़ कर 10.78 लाख हो जाएगी।

5. अनुसूचित जातियों/पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा उनके भौक्षणिक, आर्थिक तथा सामजिक विकास की विभिन्न स्कीमों भाुरू की जा रही है। केन्द्र द्वारा प्रायोजित सफाई कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों का उद्वार तथा पुनर्वास नामक स्कीम भाुरू की गई है। इस स्कीम के अन्तर्गत 8वीं पचवर्शीय योजना के दौरान सभी सफाई कमचारियों का आव यक प्रि ाक्षण तथा सहायता प्रदान करके उनका पुनर्वास किया जाएगा।

6. मेरी सरकार राज्य में कृशि के विकास को उच्च प्राथमिकता देती है। सरकार की दूरदर्िाता तथा आयोजना के कारण, हरियाणा दे ा के कृशि क्षेत्र में उन्नत राज्यों में अग्रणी राज्य बन गया है। वर्श 1992–93 के लिए खाद्यान्नों के उत्पादन का लक्ष्य 102.40 लाख टन निर्धारित किया गया है, जिससमें 29. 30 लाख टन खरीफ और 73.10 लाख टन रबी की फसल भाामिल है। गत खरीफ मौसम के दौरान 27.95 लाख टन हुआ था।

सरकार फसलों में विविधता लाने की ओर वि ोश ध्यान दे रही है। वर्श 1991–92 में एक लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सूरजमुखी की का त की गई, जिससे 1.62 लाख टन उत्पादन हुआ। सोयाबीन की एक नई किस्म की फसल का सफल प्रयोग किया गया और खरीफ 1993 के दौरान 1,000 हैक्टेयर भूमि में

इसकी का त करने की योजना है। राजमा ा की खेती प्रायोगिक आधार पर की जा रही है। कपास, तिलहान और गन्ने की परम्परागता नकदी फसलों का बिजाई क्षेत्र और उत्पादन भी काफी बढ़ गया है। ये उपलब्धियां मेरी सरकार द्वारा किसानों को प्रभावी तथा व्यापक आधारभूत सहायता प्रदान करने के परिणाम स्वरूप ही सम्भव हो सकी है। विभिन्न फसलों के लिए प्रमणीकृत बीजों, पौधा संरक्षण छिड़काव यंत्रों डी0 ए0 पी0 रासायनिक खादों और जिप्सम पर किसानों को उदार आर्थिक सहायता दी गई थी। भूमि को समतल करने और फब्बारा सैट लगाने के लिए भी आर्थिक सहायता दी गई।

राज्य सरकार ने चालू पिराई मौसम में गन्ने का मूल्य दे ा भर में सबसे अधिक अर्थात 50 रूपये प्रति क्विंटल, निर्धारित किया है। इसी प्रकार, गेहूं चना, जौ तोरिया, सरसों तथा सूरजमूखी का समर्थन मूल्य भी काफी बढ़ा दिया है।

हरियाणा में फलों, सब्जियों, फूलों और औशधीय पौधों के एकीकृत विकास के लिए आई0 डी0 ए0 कार्यक्रम के तहत 20 करोड़ रूपय की एक योजना तैयार करके वितीय सहायता के लिए भारत सरकार को भेजी गई है। बढ़िया पौधा–सामग्री तथा प्रमाणीकृत बीजों का प्रचार करने के लिए मौजूदा नर्सरियों को सुदृढ़ बनाने की योजना है। जल्दी खराब होने वाली फसलों के नुकसान को कम करने के लिए परियोजना के अन्तर्गत करनाल में एक पोस्ट हारवैस्ट टैक्नॉलोजी केन्द्र की स्थापना का प्रावधान है।

राज्य में खुम्भी के उत्पादन मे सुधार लाने के लिए 3.47 करोड़ रूपय की एक परियोजना केन्द्रीय सहायता प्राप्त करने के लिए भारत सरकार को भेजी जा चुकी है।

राज्य के लिए यह गर्व का विशय है कि नई दिल्ली में गणतन्त्र दिवस की परेड में हरियाणा में सूरजमुखी की का त की पीत–कान्ति को द र्शाने वाली हरियाणा की झांकी को पुरस्कार प्राप्त हुआ।

7. वर्श 1996–67 में नहरी सिचाई क्षेत्र 13.25 लाख हैक्टेयर था जो 1991–92 में बढ़कर 20.38 लाख हैक्टेयर हो गया है। सिचाई–क्षेत्र में हरियाणा अन्तर्गत नहरों और खालों को पक्का करने और सस्थगत ढाचें का मजबूत बनाने के लिए और वितीय सहायता देने पर सहमत हो गया है। वर्श 1992–93 के दौरान, 823 किलोमीटर जल–मार्गों को पक्का करने का कार्य पूरा होने की संभावना है जिस पर 28 करोड़ रूपय ही लागत आएगी तथा 433क्यूसेक जल की रिसाव हानि को रोका जा सकेगा और 0.17 लाख हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिचाई हो सकेगी। वर्श 1993–94 की अनुरोध परियोजना के अनुसार ने ानल वाटर मैनेजमैंट प्रॉजैक्ट के अन्तर्गत 62.89 करोड़ रूपय के खर्च का प्रावधान किया गया है। वर्श 1992–93 में, आठ वर्श के बाद नाखड़ा नहर प्रणाली की कार्य क्षमता में काफी सुधार हुआ है। मेरी सरकार सतलुज यमुना योजक नहर को भीघ्र पूरा करने के लिए भी भरसक प्रयत्न कर रही है। यमुना जल के सम्बन्ध में भी मेरी

सरकार का दृश्टिकोण बिल्कुल स्पश्ट है कि इस जल पर हरियाणा का अनन्य अधिकारी है और इस सम्बध में हरियाणा के हितों के विरूद्ध कोई समझौता नही किया

8. सिचाई परियोजनाओं से पूरा लाभ उठाने के लिए छः चुनिन्दा परियोजनाओं का प्रबन्ध कमाण्ड क्षेत्र विकास प्रधिकरण (काडा) द्वारा किया जा रहा है। वर्श 1993–94 से दो नए सिचाई क्षेत्रों, अर्थात आगरा नहर कमांड और पि चमी यमुना नहर प्रणाली को अतिरिक्त क्षेत्र में कार आरम्भ किए जाने की संभावना है। काडा गतिविधीयो के लिए सातवी योजना के दौरान केवल 33. 76 करोड़ रूपय के प्रावधान के मुकाबले वर्श 1993–94 में 23 करोड़ रूपय का परिव्यय निर्धारित है। 21 लाख रनिग फुट जलमार्ग को पक्का किया जाएगा, जिससे 7,000 हैक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिचांई सुविधाए उपलब्ध होंगी।

9. चालू वर्श के दौरान सभी वर्गो के उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त बिजली सप्लाई करने को उच्च प्राथमिकता दी जाती रही। इस वर्श जनवरी तक, राज्य मे उपभोक्ताओं को 911 करोड़ यूनिट बिजली उपलब्ध करवाई गई, जबकि गत वर्श की इस अवधि के दौरान 826 करोड़ यूनिट और उससे पहले वर्श 704 करोड़ यूनिट बिजली उपलब्ध करवाई गई। राज्य के पानीपत और फरीदाबाद ताप बिजली–घरों में जनवरी 1993 तक बिजली उत्पादन में वि ोश सुधार हुआ और 301.5 करोड़ यूनिट बिजली

पैदा की गई, जबकि वर्श 1991–92 की उसी अवधि में 263 करोड़ यूनिट का उत्पादन हुआ था।

मेरी सरकार किसानों को ट्यूबवैलों के कनेक्शन देने की जरूरत के प्रति पूरी तरह जागरूक है। रजत जंयती वर्श की समप्ति तक 30,000 कनैक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जबकि वास्तव में 30,269 कनैक्शन दिए गए। वर्श 1992–93 के दौरान सामान्य वर्ग को बिजली के 1.5 लाख कनैक्शन और ओद्योगिक वर्ग की 6,000 नए कनैक्शन दिए जाएंगे। वर्श के दौरान बिजली की पारेशण प्रणाली को भी सुदृढ बनाया गया है। अब तक भााहबाद में 220 के0 वी0 का एक नया उपकेन्द्र असन्ध और चंदौली में 132 के0 बी0 के दो नए उपकेन्द्र चंदहट और भाहजादपुर में 66 के0 वी0 के दो नाए उपकेन्द्र और 33 के0 वी0 के 5 नए अन्य उपकेन्द्रों को भी चालू किया जा चुका है। बीड़ जिला हिसार में भी 132 के0 बी0 के एक और उपकेन्द्र का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसके अलावा 49 उपकेन्द्रों की मौजूद क्षमता को भी बढ़ाया गया है।

मेरी सरकार भविश्य में राज्य के अन्दर बिजली की बढ़ती हुई जरूरतों के प्रति पूरी तरह सजग है और निर्धारित परियोजनाओं को तेजी से अमली भाक्ल देने के लिए भारत सरकार से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है 2x210 मैगावाट क्षमता वाली यमुनानगर ताप बिजली परियोजना के लिए वित्तीय तथा अन्य सहायता उच्च प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त करने हेतु भारत

सरकार ने इस परियोजना को संयुक्त रूप में स्थापित करने के लिए एक विदे ाी निवे ाक का चयन किया है। राज्य सरकार ने 2x250 मैगावाट की क्षमता वाली हिसार ताप बिजली परियोजना के सम्बन्ध में उपयुक्तता का पता लगाने के लिए अमेरिका के मैसर्ज कोजैनट्रिक्स के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। सरकार फरीदाबाद में निर्माण के लिए प्रस्तावित 800 मैगावाट गैस आधारित विद्युत संयंत्र के, जो कि राश्ट्रीय ताप बिजली निगम द्वारा बनाया जाना प्रस्तावित है, भीघ्र निर्माण के लिए भारत सरकार से लगातार अनुरोध कर रहीह ै। उत्तरी क्षेत्र में पन बिजली की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदे ा और अन्य लाभ पाने वाले राज्यों के साथ अक्तूबर, 1992 में एक समझौता–ज्ञापन पर हस्तक्षर किए ताकि 2051 मैगावाट वाले पार्वती हाइड्रोइलैक्ट्रिक प्रॉजैक्ट को अमल में लाया जा सके।

10. मेरी सरकार ने अनूसूचित जातियों के तथा आर्थिक रूप से पिछड़े ऐसे अतिरिक्त 1.78 लाख व्यक्तियों को, जो पहले मिनी बैंकों के सदस्य नहीं थे, मिनी बैंक के सदस्य बना कर सहकारित आन्दोलन को सुदृढ किया। एक व्यक्ति की न्यूनतम फसल ऋण सीमा 25,000 रूपय से बढ़ा कर 30,500 रूपय कर दी गई है। 31 दिसम्बर, 1992 तक 535.13 करोड़ रूपय के रिकार्ड ऋणों का वितरण किया गया। किसानों को भूमि विकास के लिए 75 करोड़ रूपय से अधिक ऋण देने की योजना है, जबकि वर्श 1991–92 में 55 करोड़ रूपय के ऋण दिए गए थे।

11. हरियाणा दूध की बहुलता वाला प्रदे ा माना जाता है। मेरी सरकार बढ़िया नस्ल की गांयों, भैसों और अन्य प ाुधन के परिरक्षण और उममें सुधार लाने के लिए भरसक प्रयास कर रही है। इस उद् य के लिए एक व्यापक नीति अपनाई जा रही है। परिणामस्वरूप, दूध की प्रति व्यक्ति उपलम्भ्यता 1991 में 597 ग्राम से बढ कर 8 वीं पंचवर्शीय योजना के अन्त तक 600 ग्राम तक हो जाने की आ ाा विकास में सहाकरिता और निजी क्षेत्रों के समान विकास पर ध्यान दे रही है। इस प्रकार राज्य में मछली पालन विकास के भी नए अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे है।

12. ग्रमीण क्षेत्रों के गरीबी दूर करने और रोजागार के अवसर जुटाने के लिए कई प्रकार के प्रोग्राम भाुरू किया जा रहे है। इस वर्श के दौरान, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत 13,606 गरीब व्यक्तियों को सहायता प्रदान की जाएगी ट्राइसैस प्रोग्राम के अधीन 5,333 ग्रमीण युवकों का प्र ाक्षण दिया गया है। वर्श 1992–93 के दौरान जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत बेरोजगारों के लिए 33.71 लाख श्रम–दिवसों के बराबर लाभकारी रोजगार जुटाया जाएगा। रेगिस्तान को बढ़ने से रोकने के लिए भिवानी, हिसार, सिरसा, जिलों तथा रोहतक और रिवाड़ी जिलों के चुनिन्दा खण्डों में मरूस्थल विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह प्रोग्राम महेन्द्रगढ़ तथा रिवाड़ी जिलों में चालू रखा संभावित क्षेत्र कार्यक्रम के अलावा है।

हरिजन एवं पिछड़ों जातियों की चौपालों के निर्माण और मुरम्मत के लिए भी पर्याप्त बजट का प्रावधान किया जा रहा है। कम लागत वाले भौचालयों के प्रोग्राम के तहत हरियाणा के गांवों में इस वर्श मार्च तक एक लाख घरों में भौचालयों का निर्माण करने का प्रस्ताव है। इस प्रोग्राम के तहत अनुसूचित जाति के सदस्यों का श्रम आदि के रूप में यूनिट की लागत का केवल 10 प्रति ात और दूसरे लोगों को लागत 50 प्रति ात खर्च करना पड़ता है। गत वर्श दिसम्बर तक इस प्रकार के 81,91 भौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। पक्की गलियों के दोनों और नालियां बनाने और गलियों को पक्का करने का प्रोग्राम भी जारी है। इस उदे य के लिए 31 मार्च, 1993 तक 20 करोड़ रूपय खर्च होने की सम्भावना है।

वर्श 1985 में पंचायत समितियों के चौथे आम चुनाव करवाए गए थे। अब सरकार ने 31 मार्च, 1993 तक पंचायत समितियों के पांचवें आम चुनाव का पूरा करने का निर्णय लिया है। 108 पंचायत समितियों में से, 87 पंचायत समितियों के चुनाव अब तक पूरे हो चुके है।

13. राज्य सरकार ने कृशि, स्वास्थ्य, सिचाई, समाज कल्याण आदि क्षेत्रों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के प्रयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए, गत योजना अवधि के दौरान 5.7 करोड़ रूपय के मुकाबले 8वी योजना में 16.5 करोड़ रूपय का प्रावधान किया है। राज्य दूर–संवेदी अनुप्रयोग केन्द्र, हिसार ने भिवानी

जिला के एकीकृत संसाधन सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया है। रोहतक तथा जींद जिलों भी ऐसी ही परियोजना चल रहीह ै। केन्द्र ने राज्य के 12 जिलों के लिए बंजर भूमि के रेखांकित करने का काम किया है और भोश जिलों में कार्य चल रहा है। परम्परागत ऊर्जा बचाने और नवीकरणाीय ऊर्जा स्त्रोत के उपयोग को बढ़ाया देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए है। भारत सरकार द्वारा हरियाणा को सोलर कुकर लोकप्रिय बनाने के लिए दे ा भर में दूसरों दर्जा दिया गया।

14. हरियाणा तीव्र गति से औद्योगीकरण की और बढ रहा है। बेरोजगार युवकों को रोजगार के अवसर जुटाने और राज्य में अधिक निवे ा आकर्शित करने के लिए कई औद्योगिक नीति को घोशणा की गई, जो पहली अप्रैल, 1992 से प्रभावी हो चुकी है। नई औद्योगिक नीति में कृशि–आधारित, खाद्य प्रसंस्करण और इलैक्ट्रॉनिक उद्योग पर वि ोश बल दिया गया है। आर्थिक सहायता तथा कर लाभों के रूप में भी अनेक उदार प्रोत्साहन दिए गए है।

सुदृढ आधारभूत ढांचे और अनेक आकर्शक प्रोत्साहनों के कारण बहुत राश्ट्रीय कम्पनियों और बड़े औद्योगिक घरानों ने हरियाणों के प्रति बहुत रूचि दिखाई है। इस वर्श के दौरान, 236 उद्यमियों ने 1,515 करोड़ रूपये से अधिक निवे ा वाली अपनी परियोजनाएं हरियाणा में स्थापित करने के लिए भारत सरकार को औद्योगिक उद्यमकर्ता ज्ञासन प्रस्तुत किये। लगभग 30 उद्यमियों ने

अपनी परियोजनाएं कार्यान्वित करने के लिए पहले से ही काम भाुरू कर दिया है।

संतुलित प्रादेि ाक विकास सुनिि चत करने के लिए, 72 विकास खण्ड औद्योगिक रूप से पिछड़े घोशित किए जा चुके है। पिछड़े के उत्थान के लिए भारत सरकार ने राज्य में दो विकास केन्द्रों की स्थापना का अनुमोदन भी किया है। सरकार ग्रमीण उद्योग को समस्त आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए फोकल गांवों में उद्योग–कुज नाम से छोटी औद्योगिक सम्पदाओं का भी विकास कर रही है। भाुरू में ये सम्पदाएं गुड़गांव, सोनीपत, हिसार और रोहतक जिलों में स्थापित की जाएंगी।

गुड़गांव में, भारत सरकार के इलैक्ट्रनिक विभाग के सहयोग से भात प्रति ात करने वाले यूनिटों के लिए साफ्टवेयर टैक्नॉलोजी पार्क बनाया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के लिए लगभग 4.25 करोड़ रूपये खर्च होने की संभावना है। इसी प्रकार, भारत सरकार के इलैक्ट्रॉनिक विभाग के सहयोग से गुड़गांव में एक इलैक्ट्रनिक हार्डवेयर टैक्नॉलोजी पार्क भी स्थापित करने का प्रस्ताव है। इससे आने वाले पांच वर्शो में 5,000 व्यक्तियों को रोजगार मिलते की संभावना है। हरट्रॉन, हरियाणा भाहरी विकास प्रतिकरण के साथ मिल कर गुड़गांव में 100 एकड़ क्षेत्र में एक इलैक्ट्रानिक सिटी की स्थापना भी करने जा रहा है।

सरकार राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों की कारगुजारी में सुधार लाने के लिए उत्सुक है तथा यह सुनि चत करना चाहती है कि ये उपक्रम कु ालतापूर्वक काम करें और मुनाफा कमाएं। राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के कामकाज में सुधार लाने के लिए, हरियाणा ब्यूरी ऑफ पब्लिक एन्टरप्राइजिज द्वारा इनके काम–काज को नियमित रूप से देखा जाता है तथा उनकी समीक्षा की जाती है। वर्श 1990–91 के दौरान, 23 सार्वजनिक उपक्रमों ने 31.30 करोड़ रूपये मुनाफा कमाया। वर्श 1991–92 के दौरान मुनाफा उपक्रमो की संख्या बढ़ कर 27 हो गई और उन द्वारा कमाया गया मुनाफा भी बढ कर 53.63 करोड़ रूपय हो गया। वर्श 1990–91 में राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों ने कुल मिलाकर 17.03 करोड़ रूपय का लाभ कमाया और यह मुनाफा वर्श 1991–92 में बढ़ कर 26.81 करोड़ रूपय ही गया।

15. उद्योगों को कु ान कारीगर उपलब्ध करवाने और ि ाक्षित बेरोजगार युवकों को रोजगार के अवसर जुटाने के उद् य से सरकार राज्य में 136 संस्थाओं में जिनमें कुल 21,923 सीटे है।, औद्योगिक प्र ि ाक्षण दे रही है। इसी उदे य से औद्योगिक प्र ि ाक्षण विभाग और भारतीय उद्योग परिसंघ के बीच एक समझौत–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय चीनी एवं सामान्य इंजीनियरिंग निगम और औघोगिक प्र ि ाक्षण सस्थान, यमुनानगर के बीच एक बीच परम्पर सम्पर्क को बढ़ावा दिया जा सके। दोनों समझौता–ज्ञापनों के अन्तर्गत अनुवर्ती कार्यवाही की

समीक्षा करने के लिए एक स्टियरिंग समिति बनाई गई है। इसी प्रकार, मार्च 1993 तक ओद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थान, फरीदाबाद और गुड़गांव तथा इन स्थानों पर लगे दुनिन्दा उद्योग–समूहों के बीच ऐसे ही समझौता–ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की आ ा है। वर्श 1993–94 के दौरान, हांसी और रिवाड़ी स्थित औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थान भााखाओं का दर्जा बढ़ा कर उन्हें पूर्ण औद्योगिक प्र ि ़क्षण संस्थान बना दिया जाएगा। सरकार ने ऐसे खण्डों में जहां इस समय विभाग का कोई प्र ि ाक्षण संस्थान नही है। 30 नए औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थान खोलने का नीति–निर्णय भी लिया है।

16. मेरी सरकार व्यवसायोंन्मुखी ि ाक्षा की और अत्यधिक ध्यान दे रही है, जिससे औद्योगिक तथा आर्थिक विकास के अतिरिक्त रोजगार तथा स्व–रोजगार के अवसर उपलब्ध होते है। इस समय 24 संस्थानों में तकनीकी ि ाक्षा क विभिन्न क्षेत्रों में कई पाठ्यक्रमो की व्यवस्था है तथा इन संस्थानों में वर्श में कुल मिलाकर लगलग 3,570 प्र ि ाक्षाणार्थी लिये जाते है। पाठ्यक्रमों में सुधार लाने और उनकी संख्यां में वृद्धि करने के लिए सरकार ने वि व बैंक की सहायता से 81 करोड़ रूपय की लागत से एक नया व्यापक प्रोग्राम भाुरू किया है। इस सहायता से 12 मौजूदा पॉलिटैक्निकों के भवनों, साज–समाज, फर्नीचर और अमले इत्यादि का विस्तार करके उनको पूरी तरह आधुनिक बना दिया जाएगा। वि व बैक प्रोग्राम के तहत चार नए पॉलिटैक्निको

की स्थापना की जा रही है। हिसार में एक नए इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना को जा रही हहे। और इस स्कीम को 8वी पंचवर्शीय योजना में भाामिल कर लिया गया है। सरकार महिलाओं के लिए तकनीकी ि ाक्षा की और वि ोश ध्यान दे रही है जो कि उनके लिए निः ाुल्क कर दी गई है। फरीदाबाद में केवल महिलाओं के लिए एक सरकारी पॉलिटैक्निक स्थापित किया जा रहा है।

17. आठवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान एक परिवार एक नौकरी स्कीम के अन्तर्गत रोजगार के 5 लाख अवसर जुटाए जाएगें। इस स्कीम के तहत केवल उन्ही परिवारों को सुविधा प्रदान की जाएगी जिनकी किसी भी सदस्य के पास कोई रोजगार नहीं है। वर्श 1992–93 के दौरान, बेरोजगार भत्ता कार्यक्रम के अन्तर्गत 31 दिसम्बर 1992 तक 1.63 करोड़ रूपय बांटे गए।

18. मेरी सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा आव यक वस्तुओं के वितरण की और भी वि ोश ध्यान दें रही है। इस समय उचित दाम की 7,414 दुकानें चल रही है, जिनमें से 4,872 ग्रमीण क्षेत्रों में और 2,542 भाहरी क्षेत्रों में है। अब किसी भी उपभोक्ता को रा ान की वस्तु प्राप्त करने के लिए डेढ़ किलोमीटर से अधिक दूर नही जाना पड़ता। वर्श 1992 में सभी उपभोक्ताओं का व्यापक सर्वेक्षण किया गया था, जिसके आधार पर उन्हें नए लैमिनोटिड कार्ड जारी किए गए हैं। राज्य सरकार 44 निर्धारित खण्ड़ो में गेहूं 3.05 रूपय और चवाल 4.93 रूपय प्रति

किलोग्राम की रियायती दरों पर सप्लाई कर रही है, जबकि अन्य क्षेत्रों में ये वस्तुएं क्रम ाः 3.50 रूपय और 5.63 रूपय प्रति किलो ग्राम के हिसाब से दी जाती है। इसके अतिरिक्त निर्धारित क्षेत्रों में उचित दाम वाली दुकानों के जरिए चाय, दाले साबुन, माचिस कापियों और नमक जैसी अतिरिक्त आव यक वस्तुयें सप्लाई करने की भी व्यवस्था है।

जिला तथा उप–मण्डल स्तरों पर खाद्य–सलाहकर समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में जनता के चुने हुए प्रतिनिधी, आव यक वस्तुओं के थोक तथा खुदरा व्यापारी, ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधी, गृहिणियां, अध्यापक तथा अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गो से सम्बन्धित उपभोक्ता, सदस्यों के रूप में भाामिल किये गए है। ये समितियां कीमतों और आव यक वस्तुओं की उपलभ्यता पर नजर रखने के लिए नियमित बैठक करती है। वर्श 1992–93 के दौरान, हरियाणा के केन्द्रीय पूल में 8.57 लाख टन चावल दिया जबकि हमारी प्रतिबद्धता 7 लाख टन की थी। इसी प्रकार केन्द्रीय पूल में 13.72 लाख टन गेहूं भी दिया गया। आने वाली रबी के मौसम के दौरान वर्श 1993–94 के लिए गेहूं–खरीद की व्यवस्था कर दी गई है और केन्द्रीय भण्डार में हरियाणा द्वारा 20 लाख टन गेंहूं दिए जाने की संभावना है।

19. आबकारी तथा वाणिज्यिक कर राज्य के लिए राजस्व का मुख्य स्त्रोत है। चालू वर्श के दौरान दिसम्बर 1992 तक 887.01 करोड़ रूपए की रा ि ा एकत्रित की गई, जोकि पिछले

वर्श की इसी अवधि के दौरान एकत्रित रा ि ा से 13.62 प्रति ात अधिक है। वर्श 1993–94 के दौरान 1,446.59 करोड़ रूपय जुटाने का प्रस्ताव है। राजस्व को एकत्रित करने की मूहित चलाने के साथ–साथ मेरी सरकार ने कर के ढांचे को युक्तियुक्त बनाने के लिए भी कदम उठाए है। पहली अप्रैल, 1992 से प ाुओं द्वारा खीची जाने वाली गाड़ियों के टायरों और ट्यूबों को विक्रबों घडियों, चाय और कपड़ा संसाधकों द्वारा इस्तेताल किए जाने वाले रंगों तथा रसायनों पर भी बिक्री कर की दर कम कर दी गई है। मेरी सरकार राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भी उत्सुक है और नए औद्योगिक यूनिटों को दी जाने वाली कर छूट/स्थगन लाभ की एक प्रकार की कुल सीमा को हटा दिया गया है।

20. मेरी सरकार 2000 ईस्वी तक सभी के लिए स्वास्थ्य के पास उदे य को प्राप्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने और सुधारने की लगतार कोि ा ा कर रही है। इस समय राज्य में 2,299 उपकेन्द्र, 394 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 59 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है। हमने राश्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को अपनाया है जिसमें 5,000 ग्रमीण जनसंख्या के लिए उपकेन्द्र और 30,000 ग्रमीण जनसंख्या के लिए तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्रत्येक 4 प्राथमिक स्वास्था है, जिनमें वि ोश सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वर्श 1993–94 के दौरान 7 और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जाएंगे। मेरी सरकार समाज

के सभी वर्गों के स्वास्थ्य की देख–भाल के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू कर रही है।

हरियाणा ने भारतीय चिकित्सा पद्धति द्वारा भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देख रेख सम्बन्धी सुविधाओं में व्यापकता और सुधार लाने के लिए जोरदार प्रयत्न किए है। इस समय राज्य में 420 आयुवैर्दिक/यूनानी डिस्पैसरियां, 20 होम्योपेथिक डिस्पैसरिया, एक 25 बिस्तरों वाला आयुवैदिक हस्पताल, दी 10 बिस्तरों वाले हस्ततात, एक युनानी हस्पताल और श्री कृश्ण राजकीय आयुवैदिक महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र से सम्बद्ध 20 बिस्तरों वाला हस्पताल चल रहा है।

21. मेरी सरकार राज्य में ि ाक्षा के विकास और प्रसार के लिए जोरदार प्रयत्न कर रही है। प्राथमिक ि ाक्षा को व्यापक बनाने के उदे् य से वर्श 1992–93 के दौरान लड़कीयों के लिए 100 नए प्राथमिक स्कूल खोले गये। वर्श 1993–94 के दौरान 100 नए और प्राथमिक स्कूल खोले जाएंगे तथा अतिरिक्त दाखिल किए गए बच्चों को ि ाक्षा प्रदान करने के लिए 1500 अतिरिक्त अध्यापकों को नियुक्त करते का भी प्रस्ताव है। उपयुक्त उदे य को प्राप्ति हेतु वर्श 1992–93 के दौरान वि ोश दाखिला अभियान चलाया गया और 4.78 लाख अतिरिक्त बच्चों को ि ाक्षा के लिए दाखिला किया गया।

बच्चों को कम दूरी पर ि ाक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए 56 प्राथमिक विद्यालयों, 63 माध्यमिक विद्यालयों और 30 उच्च विद्यालयों का दर्जा बढ़ा कर उन्हें क्रम ा माध्यमिक, उच्च और वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालय बन दिया गया है। इस प्रकार माध्यमिक एव उच्च ि ाक्षा क्रम ाः 1.96 किलोमीटर एवं 2.35 किलोमीटर की परीधि के भीतर उपलब्ध करा दी गई है। सरकार समाज की अनुसूचित जातियों तथा कमजोर वर्गो के बच्चों को मुफ्त लेखन–सामग्री, हाजिरी इनाम मुफ्त वादियां और किताबों जैसे विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन भी दे रही है। सरकार ने अगस्त, 1991 से स्नातक स्तर तक सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में ि ाक्षा पर रही छात्राओं को लाभ पहुंचा है। इस पर वर्श 1993–94 के दौरान 183 लाख रूपय खर्च होने की संभावना है।

वर्श 1992–93 में छः जिला ि ाक्षण एवं प्रि ाक्षण संस्थान और चार प्रारम्भिक अध्यापक प्रि ाक्षण संस्थान स्थापित किए गए। पानीपत जिला में साक्षरता कार्यक्रम पूरा कर लिया गया है और वहां पर सरक्षण के बाद की कक्षाएं भुरू कर दी गई है। चालू वर्श के दौरान साक्षरता कार्यक्रम के अधीन अम्बाला यमुनानगर रोहतक, उच्चा ि ाक्षा को उचित महत्व दे रही है। लड़कीयों की ि ाक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद के महिला विग को पूर्ण रूप से राजकीय महाविद्यालय बना दिया गया और राजकीय महाविद्यालय, करनाल में लड़कीयों के लिए एक अलग विग स्थापित करने की मंजूरी दे

दी गई है। सोनीपत, तिगांव और रोहतक में तीन गैर–सरकारी महाविद्यालय भी स्थापित किए गए है।

22. मेरी सरकार राज्य में खेलों को बढ़ावा देने की और वि ोश ध्यान दे रही है। चालू वर्श के दौरान हरियाणा के बहुत से खिलाड़ियों ने विभिन्न राश्ट्रीय और अन्तर्राश्ट्रीय खेलों में राज्य और दे ा के लिए सम्मान अर्जित किए। वर्श 1993–94 के दौरान खेल–कूद सम्बन्धी गतिविधियों को बढ़ाया देने के लिए 5. 96 करोड़ रूपय खर्च करने का प्रस्ताव है।

23. मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के विकास के लिए सड़कों के विस्तार तथा सुधार के प्रति सजग है। सड़को के अनुरक्षण के लिए सामान्य बजट प्रावधान में 10 करोड़ रूपय की वृद्धि की गई है चालू वर्श के दौरान 120 कि0 मी0 नई सड़कों की पक्का करने 280 कि0 मी0 पर तारकोल बिछाने और 2500 कि0 मी0 पर नवीकरण परत चढ़ाने का प्रस्ताय है। महत्वपूर्ण राज्य मुख्य मांगे और मुख्य जिला सड़कों को चौड़ा करने के लिए चरण–बद्ध कार्यक्रम अपनाया गया है। वर्श 1992–93 के दौरान इन सड़को की 225 कि0 मी0 लम्बाई की सुधारने का प्रस्ताव है। वर्श 1993–94 के दौरान 110 कि0 मी0 नई सड़के बनाई जाने की सम्भवाना है।

अधिक यातायात वाली सड़को की पांच योजनाओं को जिनके तहत 437 करोड़ रूपय की अनुमान लागत से 811

किलोमीटर लम्बी सड़के बनेगी, भारत सरकार एवं वि व बैंक को भेजा गया है। समालखा से करनाल तक राश्ट्रीय राज मार्ग–1 की फो–लेनिंन का काम फिर से आरम्भ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने करनाल से अम्बाला तक इसी राजमार्ग के 80 किलो मीटर रास्ते की फोर–लेनिंग के काम के लिए स्वीकृति दे दी है। जिस पर 142 करोड़ रूपय की रा ि ा खर्च होगी। बल्बगढ़ से होडल तक राश्ट्रीय राजमार्ग–2 की फोर–लेनिंग का काम ए ि ायन–डिवैल्पमैंड बैक की सहायता से किया जा रहा है। वह सड़क दे ा में सीमेंट बजरी वाली अपनी किस्म की पहली सड़क होगी। मुझे यह बताते हुए हर्श हो रहा है कि फरीदाबाद से बल्लबगढ़ तक 10 किलोमीटर लम्बे राश्ट्रीय राजमार्ग–2 की छः लेनिग और गुड़गांव से सीमा तक 71 किलोमीटर लम्बे राश्ट्रीय राजमार्ग–8 की फोर–लेनिंग के काम का भारत सरकार ने सिद्धान्त रूप से अनुमोदन कर दिया ह। राज्य में पुलों और अन्य भवनों के निर्माण के और भी उचित ध्यान दिया जा रहा है।

24. माननीय सदस्यगण, मुझे यह घोशणा करते हुए अपार हर्श ही रहा है कि हरियाणा राज्य ने 31 मार्च, 1992 तक राज्य के सभी 6,745 गांवों के पेयजल सुविधा प्रदान करने का एक महान कार्य पूरा कर लिया है। आगामी वर्शो मे सरकार का यह वि ोश प्रयास रहेगा कि 2,723 गांवो में जल सप्लाई स्तर को बढ़ा कर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 40 लिटर कर दिया जाए। पूरी तरह से भारत सरकार की आर्थिक सहायता से चलने वाले मरू विकास

कार्यक्रम के अधीन हिसार, सिरसा, भिवानी, रोहतक, महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी जिलों में 370 गांवो में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 70 लिटर जल सप्लाई करने के लिए स्कीमों का विस्तार करने का काम भुरू किया गया है। इसके अलावा बड़े गांवो में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 110 लिटर तक जल सप्लाई स्तर बढ़ाने का कार्यक्रम भी भुरू किया गया है।

मेरी सरकार ने तेजी से बढ़ती हुई भाहरी आबादी के लिए जल सप्लाई और सफाई मे सुधार लाने हेतु चालू वर्श के दौरान 9.80 करोड़ रूपय का प्रावधान किया है, जबकि वर्श 1991–92 में इन सुविधाओं पर 6.60 करोड़ रूपय खर्च किए गए थे। वर्श 1999–94 के दौरान यमुनानगर, जगाधरी, करनाल, सोनीपत, गुड़गांव और फरीदाबाद भाहरों में जिनकी गन्दगी के कारण यमुना का प्रदूशण ही रहा है, पूरी तरह सफाई का प्रबन्ध करने के लिए एक महत्वाकाक्षी कार्यक्रम भुरू किया जाएगा, जिनके लिए समान भाग के आधार पर भारत सरकार ने सहायता मिलेगी और इसके लिए बाहरी द्विपक्षीय सहायता प्राप्त की भी संभावना है। इस कार्यक्रम से इन भाहरों के पर्यावरण में भी बहुत सुधार होगा।

25. विभिन्न स्कीमों के तहत वर्श 1992–93 के दौरान राज्य में नगर पालिकाओं को 620 लाख रूपय की वित्तीय सहायता दी जाएगी। आने वाले वर्श के दौरान इस रकम को बढ़ा कर 655 लाख रूपय कर दिया जाएगा। चालू वर्श के दौरान राज्य

में 24 नगरपालिकाओं में कम लागत वाले सफाई यूनिटों के निर्माण का व्यापक कार्यक्रम भाुरू किया गया है जिसके अन्तर्गत हुढको द्वारा 44,000 यूनिटों के लिए 947 लाख रूपय के ऋण एवं अनुदान की रा ि ा मंजूर की गई है।

26. हरियाणा राज्य के 43 पर्यटन कॉम्पलैक्स बहुत से पर्यटकों का आकर्शण केन्द्र है। वर्श 1991–92 के दौरान लगभग 46.76 लाख दे ाीय और 1.51 लाख विदे ाी पर्यटक हमारे पर्यटक कॉम्पलैक्सों में पधारे। फतेहाबाद, यमुनानगर और हिसार में नए कॉम्पलैस विकसित किए जा रहे है और पंचकूला का कॉपलैक्स पूरा होने वाला है और इसके भाीघ्र ही चालू हो जाने की संभावना है। वर्श 1993–94 के लिए मोजूदा कॉम्पलैक्सों के विस्तार और नई परियोजनाएं पूरी करने के लिए 3 करोड़ रूपय की रा ि ा निर्धारित का गई है। हरियाणा में पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए हाल हो में एक पर्यटन विकास बोर्ड बनाया गया है। साहसपूर्ण खेल पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाया देने के लिए भी कदम उठाय जा रहे है।

27. हरियाणा परिवहन दे ा के सर्वोत्तम उपक्रमो में से है। यह यात्रियों के लिए बेहतर बस सेवा तथा सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयत्न ाील है। इस समय हरियाणा परिवहन के पास 3,850 बसें है। ये 2000 से अधिक मार्गों पर चलती हुई प्रतिदिन लगभग 11.50 लाख किलोमीटर का सफर तय करती है और इनमें 18 लाख यात्री सफर करते है। अधिक बस सेवा की

मांग को पूरा करने तथा बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने के लिए बेरोजगार युवकों की सहकारी समितियों को बस परमिट दिये जाने का निर्माण लिया गया है, जो उन्हें जिलों के अन्दर योजक मार्गो पर चलायेंगे। हरियाणा परिवहन अधिक दूरी वाले रूटों पर ही ध्यान देगा।

हरियाणा परिवहन के इस समय 68 बस अड्डे है और 11 और अड्डे निर्माणधीन है। मौजूदा बस अड्डों का चरणबद्ध ढंग से सुधार किया जा रहा है। जनता को बेहतर सुविधाए प्रदान करने के लिए मुख्य बस अड्डो पर वाटर–कूलर लगाए जा रहे है और खाने–पीने के व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है। बढ़ती हुई सड़क–दुर्घटनाएं मेरी सरकार के लिए गम्भीर चिन्ता का विशय बनी हुई है। चालकों के सेवाकालीन प्रि ाक्षण की और वि ोश ध्यान दिया जा रहा है और इसके लिए मुरथल में एक प्रि ाक्षण स्कूल खोला गया है। यहां भारी वाहन चलाने का लाइसैस प्राप्त करने के लिए आवेदन करने वाले नए चालकों को भी प्रि ाक्षण तथा प्रमाण पत्र दिए जाएगें।

28 समाज के सभी वर्गो के लोगों को अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए हरियाणा भाहरी विकास प्रधिकरण ने चालू वर्श के दौरान हरियाणा के विभिन्न भाहरों में 15 नए रिहाय ाी सैक्टर बनाए है। चालू वर्श के दौरान, विभिन्न वर्गो के लिए नई ग्रुप हाउसिंग स्कीम चलाने का भी प्रस्ताव है। समाज के

कमजोर वर्गों को विभिन्न भाहरी सम्पदाओं में 2,282 प्लांट रियायती दरों पर दिए गए है।

ने ानल कैपिटल रिजन प्लान (एन0 सी0 आर0) के अन्तर्गत 1,810 करोड़ रूपय की निवे ा योजना एन0 सी0 आर0 बोर्ड के माध्यम से योजना आयोग को प्रस्तुत की गई है। केन्द्र सरकार से पलबल, सोहना, रिवाड़ी और रोहतक को जोड़ने वाले नए रेल लिंक के निर्माण के लिए भी अनुरोध किया गया है। केन्द्र से हिसार और रोहतक के बीच बड़ी रेल लाइन बनाने, राश्ट्रीय राजमार्ग–10 को डबवाली तक चौड़ा करने और हरियाणा एक्सप्रैस गाड़ी को सिरसा तक बढ़ाने का भी अनुरोध किया गया है। रिवाड़ी में ब्रास मार्किट, रिवाड़ी में वाणिज्यिक क्षेत्र, परियोजनाएं भी तैयार करके एन0 सी0 आर0 बोर्ड को भेजी गई थी जिनके लिए उस द्वारा 2.74 करोड़ रूपय दिए गए।

29. हरियाणा आवास बोर्ड की विभिन्न नगरों में विभिन्न वर्गों के लिए 10, 349 रिहाय ी मकानों के निर्माण की योजना है। वर्श 1993–94 के दौरान और भाहरों एवं कस्बों में भी मकानों के निर्माण की स्कीमें भ्ारू की जांएगी।

30. मेरी सरकार वनरोपण और प्रदूशण रोधक उपायों के जरिए पर्यावरण में सुधार लाने को उच्च प्राथमिकता दे रही है। चालू वर्श के दौरान 35,095 हैक्टेयर भूमि पर पौधे लगाने और 300 लाख पोधे वितरित करने का लक्ष्य था, जिसमें से 34,460

हैक्टेयर भूमि पर पौधे लगाए जा चुके है और 288.5 लाख पौधे वितरित किए जा चुके है। बाकी काम फरवरी–मार्च, 1993 तक पूरा कर लिया जाएगा। वर्श 1993–94 के दौरान 36,443 हैक्टेयर भूमि पर बन लगाए जाएंगे और 188.5 लाख पौधे वितरित किए जाएगें। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लगभग 52 करोड़ रूपय की रा ि ा खर्च होगी।

पर्यावरण विभाग ने 8 वीं पंचवर्शीय योजना के लिए 6 करोड़ रूपए की परियोजनाएं तैयार की है। इसमें से वर्श 1993–94 के लिए 102 लाख रूपए की रा ि ा का प्रावधान प्रदूशित जल उपचार संयत्रों, विभिन्न प्रकार के अनुसन्धान कार्यक्रमों और जागरूकता लाने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को बढ़ावा देने कै लिए किया गया है।

31. आबादी वाले इलाकों और राश्ट्रीय तथा राज्य के राजमार्ग के समीप स्टोन क ारों के विस्तार को रोकने के लिए हरियाणा क ार विनियमन तथा नियंत्रण अधिनियम, 1991 लागू किया गया है। अब केवल ऐसे स्टोन क ारों को लाइसैस दिया जाएगा, जो राश्ट्रीय/राज्यीय राजमार्गो, भाहरी तथा ग्रमीण अवादियों तथा पर्यटन केन्द्रो से नि ि चत दूरी के मापदंडों को पूरा करते हों। पहले से ऐसे क्षेत्रों के समीप लगे स्टोन क ारों को किसी अन्य स्थान पर ले जाना भी अपोक्षित है। सर्वोच्य न्यायालय के एक आदे ा के अनुसरण में फरीदाबाद सव्पूह

प्र ाासन ने 150 स्टोन क ारों को पाली–मुहब्ब्ताबाद क्षेत्र में स्थापित क्र ान जोन में जगह देकर एक बड़ा कार्य किया है।

32. जनता को भाीघ्र तथा कम खर्च पर न्याय दिलाने के लिए इस वर्श 71 लोक अदालतें लगाई गई, जिनमें 19,144 मामलों का फैसला किया गया और 931 मीटर दुर्घटना दावा मामलों में लगभग 5.24 करोड़ रूपए की रा ि ा दी गई।

माननीय सदस्यगण, मैने अपनी सरकार के नीति सम्बन्धी दृश्टिकोण को संक्ष्प्त रूप में आपके सम्मुख प्रस्तुत किया है। मुझे आ ाा है कि इस अभिभाशण ये व्यक्त मुद्दे इस गरिमामय सदन में परिचर्चा का ठोस आधार बतेंगे। मुझे पूरा वि वास है कि हमारे राज्य के समक्ष आने वाली समस्याओं को सुलझाने से आप अपना पूर्ण योगदान करेंगे राज्य के सामजिक एवं आर्थिक विकास सहयोग देंगे।

मैं सदन की कार्यवाही की सफलता की कामना करता हूं।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, a minister will make obituary.

श्री भगवत दयाल भार्मा भूतपूर्व मुख्य मंत्री, हरियाणा

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री भगवत दयाल भार्मा के

22 फरवरी, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री भार्मा का जन्म 26 जनवरी, 1918 को रोहतक जिले के बेरी गांव में हुआ। उनमें दे ा–भक्ति को भावना बचपन से ही थी। उन्होंने बनारस से एम0 ए0 की परीक्षा पास की। उन्होंने 1941 से 1946 तक स्वतन्त्रता आदोलन में बढ़–चढ कर भाग लिया।

वह इण्डियन ट्रैड यूनियन कांग्रेस के साथ पूरी तरह से जुड़े रहे और 1959 से 1962 तक पंजाब, हिमाचल तथा जम्मू व क मीर इंटक के प्रेजीडेण्ट रहे। वह झंटक की कार्यकारिणी समिति के सदस्य भी रहे।

श्री भार्मा की समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण में गहरी रूचि थी। वह एक प्रभाव ाली वक्ता तथा समाज–सेवी थे। उन्होंने अनेक पदों पर रहते हुए राश्ट्र की सेवा की। वह 1963 से 1966 तक पंजाब प्रदे ा कांग्रेस समिति के तथा 1966 में हरियाणा प्रदे ा कांग्रेस समिति के प्रेजीडेण्ट रहे। वह 1962 से 1966 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। संयुक्त पंजाब में वह श्रम तथा सहकारिता विभागों के राज्य मंत्री रहे। हरियाणा के गठन के बाद वह इसके प्रथम मुख्यमंत्री बने। वह 1968–74 के दौरान राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1977 में लोक सभा के लिए चुने गये।

श्री भार्मा 1977 से 1980 तक उड़ीसा के राज्यपाल रहे और 1980 में मध्य प्रदे ा के राज्यपाल बने

उनके विधान से दे ा एक महान् स्वतन्त्रता सेनानी, एक प्रसिद्ध ट्रेड यूनियनिस्ट, प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बिदे वरी दूबे, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री बिदे वरी दूबे के 20 जनवरी, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री दूबे का जन्म 14 फरवरी 1921 को हुआ। उन्होंने 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया। वह 1952 से 1957 तक, 1962 से 1977 तक तथा 1985 से 1988 तक बिहार विधान सभा और 1980 से 1984 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1985 से 1988 तक बिहार के मुख्यमत्री पद पर रहे। वह फरवरी, 1988 में केन्द्रीय मंत्री बने तथा अप्रैल, 1988 राज्य सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने अनेक दे ाों की यात्रों की।

उनके निधन से दे ा एक स्वन्त्रता सेनानी, प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन

दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अन्ना साहेब पी0 ि ादे, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अन्ना साहेब पी0 ि ादे के 12 जनवरी 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री ि ादे का जन्म 21 जनवरी, 1922 को हुआ। वह व्यवसास से एक वकील थे। उन्होंने 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया तथा 1944 तक जैल में रहे। वह 1962 से 1979 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1962 से 1963 तक तथा 1964 से 1965 तक केन्द्रीय सरकार से संसदीय सचिव रहे। वह 1966 से 1967 तक केन्द्रीय उप मत्री तथा 1967 से 1977 तक केन्दीय राज्य मंत्री रहे। उन्हौने दे ा की समस्याओं पर कुछ पुस्तकें भी लिखी।

उनके निधन से दे ा एक क्योवृद्ध स्वातन्त्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

ब्रिगेडियर रण सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री ब्रिगेडियर रण सिंह के 10 फरवरी, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

ब्रिगेडियर रण सिंह का जन्म 3 सितम्बर, 1919 को हुआ। उन्होंने अपनी ि ाक्षा मिलिट्री कालिज, अजमेर से प्राप्त को। वह डिफैस सर्विसिज स्टाफ कालिज, वैलिगटन से गैजुएट हुए। उन्हें सितम्बर, 1940 को जाट रेजिमेण्ट में कमी ान मिला। उन्होने सेना में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। जोजीला आपरे ान के दौरान किए गए भाानदार कार्य के लिए उन्हें भाौर्य–पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने 1968 में हरियाणा विधान सभा के चुनावों में विजय प्राप्त की तथा वह 1968 से 1972 तक हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष पद पर रहे। वह 1977 में पुनः चुनाव जीत गए तथा जुलाई, 1977 से मई, 1978 तक हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष रहे। इसके बाद वह जून, 1979 तक हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष रहे। इसके बाद वह जून, 1979 तक हरियाणा में मंत्री रहे। उन्होंने अनेक दे ाों की यात्रा की तथा वह कई कल्याणकारी सगठनों के सदस्य भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक वयोवृद्ध सैनिक तथा हरियाणा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं

से वंचित हो गया है। यह सदन दिंवगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री टेक राम हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री टेक राम के 18 फरवरी, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री टेक राम का जन्म 19 नवम्बर 1929 को हुआ। वह व्यवसाय से एक कृशक थे तथा एक प्रगति ील कृशक के रूप में प्रसिद्ध थे। उन्होने अपने क्षेत्र में बहुत समाज सेवा भी की। वह 1962 से 1967 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा 1977 से 1982 तक हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे। वह हरियाणा आवास बोर्ड के चेयरमैन भी रहे।

उनके निधान से हरियाणा एक प्रगति ील किसान, सामजिक कार्यकर्ता तथा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिंवगत के भाोक आवास बोर्ड के चेयरमैन भी रहे।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रगति ील किसान, सामाजिक कार्यकर्ता तथा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। सद सदन दिंवगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री बहादुर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन स्वतन्त्रता सेनानी श्री बहादुर सिह के 25 दिसम्बर 1992 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री सिंह का जन्म रेवाड़ी जिला के गांव भाण्डोर में हुआ। वह 1927 में ब्रिटि ा सेना में सिपाही के रूप में भर्ती हुए लेकिन नेताजी सुभाश चद्र बोस के आह्वान पर 1942 में सिंगापुर जा कर आजाद हिन्द फौज में भर्ती हो गए तथा उनके नेतृत्व में दे ा की आजादी के लिए संघर्श किया। वह बहुत बहादुरी से लड़े तथा 1945 में गिरफ्तार हुए। 1946 में रिहा होने के बाद भी उन्होंने स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया। दे ा के आजाद होने के बाद वह समाज–सुधार कार्यो में जुट गये।

उनके निधन से दे ा एक प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी व समाज–सुधारक की सेवाओं से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना करता है।

अन्य व्यक्ति

यह सदन जनवरी, 1993 में करनाल में बम के फटने से तथा मेवात क्षेत्र में हुई दु:खदायी घटनाओं में मारे गये निर्दोश लोगों की निर्मम हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

प्रो0 सम्पत सिंह (भट्टूकलां): स्पीकर साहब, यह विधी का विधान है कि जो इस दुनिया में आया है, उसको एक दिन जाना भी पड़ता है। पिछले सै ान से आज के सै ान के बीच में कुछ महान विभूतियॉ हमारे बीच में उठ गई है, जिनका जिक्र अभी सदन के नेता ने यहां पर किया है। इन महान विभूतियों के हमारे बीच में से उठ जाने से हमें बेहद दुख हुआ है जिन्होने स्वतन्त्रता संग्राम में बढ़कर हिस्सा लिया, जेलें काटी, यातनाएं सहीं और इस दे ा के लिए संघर्श किया। वे ऐसी महान भाख्भीयतें थी जिन के फूट हम अब तक खा रहे है। सबसे पहले मैं श्री भगवत दयाल भार्मा जी, भूतपूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा का यहां पर जिक्र करना चाहूगा जोकि हमारे हरियाणा प्रदे ा के सब से पहले मुख्यमंत्री थे। उनके निधन से मुझे और मेरी पार्टी को बड़ा ही सदमा पहुंचा है। मेरी व उनकी उम्र में काफी गैप है और मै उनके बेटे श्री राजे ा जी की उम्र का है, जो कि हमारे इस हाऊस के आनरेबल मैम्बर एवं मंत्री भी है लेकिन इस के बावजूद भी हमें उन से कई बार मिलने का, बातचीत करने का अवसर भी मिला। थे बड़े ही बढ़िया आदमी थे। सारा–सारा दिन वे समाज के बारे में ही सोचते रहते थे। वि ोश कर दिल्ली में लोकसभा व राज्यसभा में जाने के बाद भी वे 24 घण्टे हरियाणा। के इंटैस्ट को देखते रहते थे और हम लोगों से सदा ही हरियाणा के बारे में ही पूछते

हरियाणा के बनने में भी उनका काफी योगदान रहा है। उनके निधन से दे ा एक महान् स्वतन्त्रता सेनानी, एक प्रसिद्ध ट्रैड यूनियनिस्ट, प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित ही गया है। ट्रेन यूनियन से चलते चलते वे पंजाब विधानसभा में भी पहुंचे। पंडित जी की समाज के कमजोर वर्गो के कल्याण में गहरी रूचि थी। वे एक प्रभाव ाली वक्ता तथा समाज–सेवी भी थे। वे उच्च पदों पर भी रह। उड़ीसा और मध्यप्रदे ा जैसे राज्यों के गर्वनर भी रहे। स्पीकर साहब, दे ा भक्ति उनमें कूट–कूट कर भरी हुई थी। आज के दिन जबकि दे ा के अन्दर अफरा–तफरी मची हुई है, ऐसे महान् लोगों की बड़ी जरूरत थी। ऐसे समाज सेवी का ऐसे समय में इस दुनिया` चले जाना बड़े ही दुख की बात है। ऐसे राश्ट्रवादी लोगों की आज के दिन में इस दे ा को बड़ी ही जरूरत थी लेकिन भगवान के आगे किसी की चलती नहीं है। भगवान उनकी आत्मा को भान्ति दे और उनके समस्त परिवार को यह सदमा सहन करने की भाक्ति दे।

इसी तरह से स्पीकर साहब, श्री बिदे वरी दूबे जोकि केन्द्र में मंत्री रहे है। उन्होंने 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया और दे ा की आजादी के लिये भी डटकर संघर्श किया। वे कई वर्शो तक बिहार विधान सभा के सदस्य रहे और चार साल ठीक लोक सभा के सदस्य रहे। वे 1985 से 1988 तक बिहार के मुख्य मंत्री पद पर भी आसीन रहै। वे फरवरी, 1988 में केन्द्रीय मंत्री बने और अप्रैल, 1988 में राज्य सभा के सदस्य चुने

गये। उन्होनें अनेक दे ाों की यात्राएं भी की। वे एक योग्य प्र ाासक और स्वतन्त्रता सेनानी थे। इनके निधन से दे ा ने एक अनुभवी सांसद, योग्य प्र ाासक व स्वतन्त्रता सेनानी खो दिया है जिनकी पूर्ति कभी नही हो सकती।

स्पीकर साहब, श्री अन्ना साहब पी0 ि ादे, भारत सरकार में भूतपूर्व मंत्री रहे। उन्होंने 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में बढ़–चढ कर भाग लिया और कई बार जेल भी गये। वे 1962 से 1979 तक लोकसभा के सदस्य रहे। वे 1962 से 1963 तक तथा 19664 से 1965 तक केन्द्रीय सरकार में संसदीय में संसदीय सचिव रहे और केन्द्रीय उप मंत्री व केन्द्रीय राज्य मंत्री के पदों पर भी आसीन रहे। वे बड़े ही इटैलीजैन्ट पुरूश थे। उन्हौने कई पुस्तके भी लिखी। उनमै चले जाने से आज हमें बड़ा ही दुख हुआ है।

इसी तरह से ब्रिगैडियर रण सिंह जी बहुत इंटैलीजैन्ट और बहादुर आदमी थै। उनकी स्कूलिंग बहुत अच्छी हुई। भाुरू से ही वे मिल्ट्री में जाने के लिये इट्रैस्टिड थे। उन्होंने अजमेर मिल्ट्री स्कूल से ि ाक्षा प्राप्त की जहां से लोग निकल कर आरमी के जनरल और ब्रिगेडियर बनते है। उसके बाद वे आरमी में भरती हो गए और ब्रिगेडियर के रैक तक पहुंचे। उन्होंने आरमी में भी दे ा के लिए बड़े–बड़े जोखिम सहे। उन्होंने आरमी में रहते हुए हरियाणा प्रदे ा का नाम रौ ान किया। लड़ाईयॉ लड़ी। हरियाणा विधान सभा में भी वे दो बार अध्यक्ष पद पर रहे। वे बहुत ही

अच्छे स्पीकर थे। कई बार उनकी अध्यक्षता मे हमने हाऊस की कार्यवाही देखी। जैसे स्पीकर साहब, आप हाऊस को चलाते है, वे भी इसी प्रकार हाऊस को चलाते थे। वे हाऊस को बहुत इंटैलीजेटली चलाते थे और हाऊस के अन्दर बड़ा अच्छा डैकोरम रखते थे। सभी सदस्य उनका आदर करते थे। इसी प्रकार बाद में उनका कुछ समय के लिए मंत्री रहने का भी मौका मिला और वह जिम्मेदारी भी उन्होंने बहुत बखूबी निभाई। स्पीकर साहब, उनके चले जाने से हरियाणा प्रदे ा को बहुत नुकसान हुआ है।

इसी तरह से चौधरी टेक राम जी को मै निजी तौर पर जानता था। वे बहुत ही बढ़िया आदमी थे, बहुत अच्छे किसान और समाज सेवी था। वे चौबीस घण्टे लोगों की सेवा में लगे रहते थे। जब हरियाणा नही बना था तो उससे पहले हरियाणा बनवाने के लिए उन्होंने संघर्श किया। वे 1962 में पहली बार एम0 एल0 ए0 बने थे। उन्होंने इस पद का अपने स्वार्थ के लिए कभी भी इस्तेमाल नही किया बाल्कि हरियाणा बनाने के लिए इस्तेमाल करते रहे। इस बात के लिए उन्होंने आन्दोलन छेड़ा और जेलें काटी। हरियाणा बनने के बाद ही हरियाणा प्रदे ा का सारा विकास हुआ। ऐसी महान विभूति, जिसने हरियाणा बनने में पूरा सहयोग दिया उसके प्रति जितने भी श्रद्धा के फूल चढ़ाएं, वे कम है। वे दोबारा 1977 में एम0 एल0 ए0 बने। उनके दिल में चौबीस घंटे यही लग्न रहती थी कि किसान का कैसे भला करूं और गरीब आदमी का कैसे भला कंरू तथा समाज का उत्थान कैसे

करू। उन्होंने इस काम के लिए बड़े से बड़े जोखिम उठाने में परवाह नहीं की। एमरजैसी में उन्होने 19 महीने जेल काटी। हालांकि उस दौरान उनके परिवार में उनकी गैर हाजरी में कई भाादियों हुई लेकिन उन्होंने अपने परिवार को कभी भी महसूस नही होने दिया। तो स्पीकर साहब, ऐसे विरले ही लोग होते है जो समाज और दे ा के लिए होते है और परिवार के लिए नही होते है। इस तरह के आदमी श्री टेक राम जी थे। उनके निधन से हमें बहुत क्षति पहुंली है। हमारी पार्टी को तो वि ोशकर बहुत ही नुकसान हुआ है। हमारी प्रार्थना है कि भगवान उनकी आत्मा को भान्ति दे।

इसी तरह से बहादुर सिंह जी स्वतंत्रता सेनानी जी। उनका रेवाड़ी में हुआ था। वे आजाद हिन्द फौज में भर्ती हुए और नेता जी की अगुवाई में लड़ाईया लड़ते रहे। उनके बाद उन्होंने स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया। उनके निधन से भी हमें बहुत दुख है।

इस तरह से स्पीकर साहब, करनाल के अन्दर जो बम विस्फोट हुआ उसमें कुछ लोग मारे गए। इसी तरह से मेवात के इलाके में भी दो–तीन इन्सीडेंट्स हुए है और उनमें सभी धर्मो के लोग मारे गए। ऐसी बातों से हमें बड़ा नुकसान हो रहा है। क्योंकि अब से पहले इस इलाके में चाहे कितनी भी प्रोवोके ान आई हो लेकिन वहां पर कम्यूनल बात कभी भी नही आई थी। हिन्दू मुस्लिम आपस में बड़े प्यार से पहले थे। तो अब बहुत ही

दुखदाई घटना हुई है। मै चाहूंगा कि सरकार वहां की सिचुए ान को काबू करें ताकि लोगों में भाई चारे की बात बढ़े और वहां की कम्यूनल हारमनी वापस बहाल हो। कई बार अखबारों में ऐसी बातें आ जाती है, जो बहुत गल्त है इसलिए उनको रोकन चाहिए। ऐसी बातें रोकने के लिए आप जो हमारी पार्टी से अपेक्षा करते है, वह हम भी करने के लिए तैयार है। हम चाहते है कि हर हालत में आपस का सद्भाव और भाईचारा व प्रेम रहना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, साथ ही साथ मै सदन के नेता से गुजारि ा कंरूगा कि निसिंग में जो दो फारमर्ज पुलिस को गोली लगने से मारे गए है उनका नाम भी इस भाोक प्रस्तावों की सूची में भाामिल कर लिया जाये। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर आन्दोलन चलाया। इस प्रजातन्त्र में हरेक को अपना आंदोलन चलाने का अधिकार है। जो दो किसान मारे गए है, भगवान उनकी आत्मा को भांति दे और जो कम्पेन उन्होंने छेड़ा हुआ है, उनको मजबूती दे। अंत में स्पीकर साहब मै पुनः अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से जो महान विभूतियां हमारे से बिछुड गई है, उनके लिए भगवान से प्रार्थना कंरूगा कि उनकी आत्मा को भान्ति दे और उनके परिवार के लोगों को दे ा व समाज को यह दुख सहन करने की भाक्ति करे। धन्यवाद।

श्री बंसी लाल (तो ााम): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो यह कन्डोलैस प्रस्ताव रखा है, मै उनका अनुमोदन करता हूं। बड़े दुःख की बात है कि पंडित भगवत दयाल जो हमारे

प्रदे ा के सबसे पहले मुख्यमंत्री थे, वे आज हमारे बीच में नहीं रहे। पं0 भगवत दयाल जी ने बनारस से एम0 ए0 क डिग्री हासिल की। उनके बाद वे आजादी की लड़ाई में कूद पड़े और आजादी की लड़ाई लड़ते–लड़ते उन्होंने जेलें भी काटी इसके बाद वे पंजाब इंटक के प्रधान बने। इसके बाद वे पंजाब इंटक के प्रधान बने। इसके अलावा वे सरदार प्रताप सिंह कैरो के मत्रिमण्डल में राज्य मंत्री भी रहे। इंटक के प्रधान के नाते उन्होंने मालिका और मजदूरो में अच्छा स्थापित करवाया जिसकी वजह से उद्योगों का उत्पादन भी बढ़ा। इंटक के प्रजीडेंट होते के नाते उन्होंने पंजाब और हरियाणा की बहुत सेवा की। इसके बाद प0 भगवत दयाल जी हरियाणा प्रदे ा कांग्रेंस के अध्यक्ष भी रहे। बाद में हरियाणा बनने पर वे इस प्रदे ा के सबसे पहले मुख्यमंत्री भी बने। बाद में थे छः साल राज्य सभा के मैम्बर रहे और उनके बाद थे लोक सभा के लिए चुन लिए गए। जब लोक सभा के लिए चुन राज्यपाल भी रहे। प0 भगवत दयाल जैसे नेता ने अपने लिए कुछ नहीं किया बल्कि दे ा और समाज के लिए ही अपा सारा जीवन लगा दिया। आदमी कभी–कभी कन्ट्रोवर्ि यल ही जाता है। लेकिन उन्होंने दे ा की सेवा करने में कोई कसर नही छोड़ो। पं0 भगवत दयाल जी बहुत हुए आदमी थे। स्पीकर साहब उनके मजाक का भी कुछ मतलब होता था। उन जैसे व्यक्ति के चले जाते से हमें बेहद अफसौस है। भगवान उनके परिवार को यह दुःख सहन करने की भाक्ति प्रदान करे और उनकी आत्मा को भान्ति दे। उनके सपुत्र श्री राजे ा भार्मा आज हमारे साथ इस हाऊस के मैम्बर है।

उसको यह दु:ख सहन करने की भगवान हिम्मत दे। इस बारे में जो प्रस्ताव मुख्यमंत्री की ओर से लाया गया है, मै इसका पुनः समर्थन करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री बिदे यरी दूबे भी पंडित जी की तरह रहे। उन्होंने भी भारत छोड़ो आन्दोलन में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। श्री दूबे तीन बार बिहार विधान सभा के मैम्बर रहे और वहां के मुख्यमंत्री भी बने। वे लोकसभा के मैम्बर भी रहे। हमें बड़ा अफसोस है कि वे भी आज हमारे बीच में नही रहे। मै भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनको आत्मा को भान्ति प्रदान करे। भी अन्ना साहब ि ान्दे करीब 17–18 साल तक पार्लियामैंट के मैम्बर रहे। वे केन्द्रीय सरकार में पहले डिप्टी मिनिस्टर, फिर स्टैट मिनिस्टर और फिर कृशि मंत्री के तौर पर रहे। वे किसानों के सच्चे हमदर्द और फीडम फाईमर थे। उन्होंने समाज सेवा पर बहुत सी किताबें भी लिखी। मै उनके परिवार के प्रति अपनी सद्भावना प्रकट करता हूं। स्पीकर साहब, ब्रिगेडियर रण सिंह बहुत ही डिस्टिगि ाड सोलजर थे। बड़ी ऊची–ऊंची पहाड़ियों पर दे ा की रक्षा करने के लिए वे हमे ाा तैयार रहते थे। वे ट्रेडी ानली फौजी खानदान से ताल्लुक रखते थे। हमारे इसी सदन में वे दो बार स्पीकर और मिनिस्टर भी रहे। उन्होनें दे ा और प्रदे ा की भाान बढ़ाई। आज वे हमरे बीच में नही रहे। मै परमात्मा से प्रर्थाना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को भान्ति प्रदान करे। इसी प्रकार से श्री टेक राम इस सदन के मैम्बर रहे है,

उनका भी निधन हो गया है उनके परिवार के प्रति भी मै सद्भावना प्रकट करता हूं। श्री बहादूर सिंह फ्रीडम फाईटर रहे। उनके प्रति भी मै अपनी सद्भावना प्रकट करता हूं। करनाल बम बलास्ट में जो लोगों मारे गए है, उनके प्रति भी मै अपनी सद्भावनां प्रकट करता हूं। स्पीकर साहब, अभी जैसे चौधरी सम्पत सिंह जी ने कहा कि निर्सिंग में जो दो लोग मारे गए है, उनके नाम भी इस कण्डोलैस मो ान में भाामिल कर लिए जाएं तो अच्छी बात होगी। धन्यवाद।

श्रीमति चन्द्रावती (लोहारू): सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै इनका समर्थन करती हूं और इनका अनुमोदन करती हूं तथा दिवंगत नेताओं के परिवारी को मैं भाोक संदे ा भेजते हुए अपनी श्रद्धांजली अर्पिप करती हूं। रोहतक जिला हरियाणा का दिल कहलाता है, उसके एक ही महिने के अन्दर दो दिग्गज नेता स्वर्गवास हो गये है। दोनों नेताओं के गांव पास–पास ही है। ये दोनों नेता है पण्डित भगवत दयाल भार्मा और ब्रिगेडियर रण सिंह। पण्डित भगवत दयाल भार्मा जी के बारे में चौधरी भजन लाल और चौधरी बंसी लाल जी ने जो कहा, मै उसका समर्थन करती हूं। वे हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री थे। स्पीकर सर, इसी प्रकार बिन्दे वरी दूबे जी को भी मै अपनी श्रद्धांजली देती हूं। अन्ना साहब ि ान्दे को मै व्यक्तिगत रूप से जानती थी। खेती करने वालों के लिए उनके मन में बड़ा सम्मान था। खेती के बारे में जब उन्हें कोई भी अच्छी बात पता गलती

थी तो वे उस पर अमल करने की कोि ा ा करते थे। स्पीकर साहब, ब्रिगेडियर रण सिंह जी के बारे लगन से करते थे। जर्मनी और जापान में उन्होंने लड़ाई लड़ी। इस तरफ के लोग जो अच्छे काम कर के चले जाते है, उनके जाने दुःख उनके परिवार के लोगों को तो होता ही है लेकिन आम लोगों को भी होता है। उनके परिवार को उनकी दुखद मौत का दुख हुआ है हम भी उनके परिवार के साथ अपनी सहानुभूति प्रकट करते है। वे दो बार स्पीकर रहे और बहुत अच्छे मिनिस्टर भी रहे। स्पीकर साहब, माफ करना मै प्लाटों के बारे में एक बात कहना चाहती हूं आज जिस तरह प्लाट्स दिये जाते है वे सब को मालूम है। लेकिन जब ब्रिगेडियर साहब मिनिस्टर थे तो जो भी जरूरमन्द उनके पास प्लांट के लिए गया, उन्होंने उनको प्लाटस देकर उन्होंने एक मिसाल कायम की थी और उनके काम को हमे ाा याद रखा जाएगा। इनके भाोक संतप्त परिवार को मै अपनी सहानुभूति भेजती हूं। मुझे उनके स्वर्गवास होने का बहुत ही दुख है।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह बहादुर सिंह जी, जो एक फ्रीडम फाईटर थे, उनका भी देहांत हुआ जिसका हमें बेहद दुख है। इसी तरह से नीसिंग मैं पवनावा गांव के दो आदमी मारे गए। उनमें से एक आदमी के दो छोटे–छोटे बच्चे है, उनके बच्चों की भी मदद करनी चाहिए। इसके लिए मै उनके परिवार को श्रद्धांजलि प्रकट करती हूं। जयहिन्द।

श्री बीरेन्द्र सिंह (नारनौद): अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी की और से बहन जी के बोलने के बाद मुझे बोलना तो नहीं चाहिए परन्तु आज दो–तीन महान विभूतियां ऐसी हैं जिनके साथ मेरा सम्बन्ध रहा है। मै भी उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। एक तो भगवत दयाल भार्मा जी का देहांत हो गया। वे 1955 में एस0 वाई0 एल0 को लेकर के न्याय युद्ध लड़ने जा रहे थे उनमें वि ोश तौर से हम भार्मा जी के सम्पर्क में आए और भी न्याय युद्ध में उनके साथ भाामिल हो गया। उन्होंने सोनीपत में पहली जनसभा सम्बोधित की थी जिसमें मैने भी भाग लिया था। उनमें तो कमाल का वीट्ट था और वे मजाक भी बहुत करते थे। उन्हे हर वक्त यह लगन रहती थी कि हरियाणा का किसी प्रकार का अहित न हो जाए। हमे ाा उनके मन में इसके लिए तड़प रहती थी। वे हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री रहे है उनका निधन प्रदे ा के लिए बहुत ही दुखद बात है। श्री राजे ा जी जो सदन के सदस्य और मंत्री वे स्वर्गीय भगवत दयाल भार्मा जी की आत्मा की भान्ति दे।

अध्यक्ष महोदय, ब्रिगेडियर रण सिह जी और मै, 1977 में पहली बार सदन के मैम्बर चुन कर आये थे। वे 1978 में स्पीकर बन गए और मै पालियामैटरी अफेयर मिनिस्टर था। वे बहुत ही बढ़िया तरीके से सदन का संचालन करते थे। उनकी आवाज में कुदरती एक रोब सा था। वे टाऊन एंड कन्टरी प्लानिंग के मंत्री भी रहे। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में जब 21 सैक्टर

काटा गया था तो वहां पर कोई भी प्लाट लेने को तैयार नहीं था। स्वर्गीय ब्रिगेडीयर रण सिंह जी ने लोगों को प्यमयू किया और कहा कि हमें वह सैक्टर आबाद करना है, आप यह प्लाट लिजियें और उस वक्त उन्होंने काफी मैम्बर्ज और लोगों को प्लाट दिये थे। उस समय ऐसी कोई बात नही थी। वे बहुत अच्छी किस्म के आदमी थे। हमारा बाद में भी उनसे मिलना–जुलना होता रहा। उनके चले जाने से हरियाणा प्रान्त को बहुत बड़ा नुक्सान हुआ है। स्पीकर सर, अच्छे नेता जो हरियाणा के बारे मे अच्छा सोचते थे, एक–एक करके हमारे बीच मे से जा रहे है।

इसी तरह से श्री टेकराम जी मेरे अच्छे रहे। 1662 में जब हम नये–नये वकील बने थे और वे चुनाव लड़ रहे थे, तो हमने उनका चुनाव लड़वाया था। वह चुनाव लड़े और जीते। स्पीकर सर, जब हरियाणा प्रान्त के बनने की लड़ाई चल रही थी तो उन्होंने उसमें पूरी तरह से अपनी भागेदारी की थी। उस समय श्री अमर सिंह और श्री जगन्नथ भी पहली बार एम. एल. ए. बने थे। स्पीकर सर चीo टेक राम मन से बड़े अच्छे आदमी थे। उनके परिवार से मेरा बहुत लम्बे अरसे तक बहुत ही घनिश्ट संबंध रहा। हरियाणा सरकार ने जो सरप्लस लैंड वगैरह के नये–नये कानून बनाये थे उनके तहत उनके इस प्रकार के सभी मुकद्मे भी मैने ही लड़े थे। श्री टेक राम पिछले कुछ समय से बिमार चले आ रहे थे। उनके चले जाने से इस प्रदे ा को तो नुक्सान हुआ ही है, साथ ही मेरा भी उनके चले जाने से निजी नुक्सान हुआ है। स्पीकर

सर, मेरे बहुत अच्छे मित्र इस दुनिया से चले गए है। स्पीकर सर, इसके अलावा मेवात और करनाल बम काण्ड में मारे गए लोगों को हम श्रद्धांजलि तो आर्पित कर ही रहे है, यह ठीक भी है लेकिन मै चाहता हूं कि जो किसान निसिंग में मारे गए है, उनके नाम भी भाोक प्रस्ताव मे जोड़े जाने चाहिएं। अंत में मै इन सभी महानुभावों को अपनी और से श्रद्धांजली अर्पित करता हूं।

16.00 बजे

चोधरी ओम प्रका ा बेरी (बेरी): अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र से लेकर इस सत्र क बीच तक कई महान विभूतियां हमारे बीच में से चली गयी है, मै उन सभी के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा उनके परिवार को इस भाोक की सहने की भाक्ति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं। जहां इन महान विभूतियॉ के चले जाने से इस दे ा और प्रदे ा के लोगों को क्षति पहुंची है वहां मुझे भी निजी क्षति पहुंची है। मै जिस विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं पण्डित भगवत दयाल भार्मा ने भी 1962 से 1967 तक इसी क्षैत्र का प्रतिनधित्व करने का गौरव प्राप्त किया था और हरियाणा प्रदे ा के पहले मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वे एक तिडर, निर्मोक और स्पश्टवादी राजनेता थे, साथ ही बहुत बड़े ट्रैड यूनियनिस्ट भी थे और इसी कारण वे तीन प्रदे ाों के इंटक के इंटके के प्रेजोडेंट भी रहे। वे पंजाब प्रदे ा कांग्रेस कमेटी के प्रधान भी रहे। एक विधायक के रूप में, एक सांसद के रूप में एक मंत्री के रूप में

एक मुख्यमंत्री के रूप में और एक राज्यपाल के रूप में उन्होंने जो अमिट छाप छोड़ी है, उसके लिए उनकी हमे ा याद आती रहेगी। वे चाहे किसी भी क्षेत्र में रहे हो उन्होंने ऐसे काम किए जिन्हे भुलाया नही जा सकता। ऐसी महान विभूति के लिए हमारा यह फर्ज बन जाता है कि उनको स्मृति मे ऐसी स्थायी यादगार हम बनाएं जो न सिर्फ प्ररेणास्त्रोत बने बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए भी प्ररेणादयक बनी रहे, इसके लिए मै एक सुझाव हरियाणा सरकार को देना चाहता हूं। श्री भगवत दयाल भार्मा जी का पैतृक गांव बेरी है और मेरा गांव भी उसी गांव के पास है। उनकी स्थायी स्मृति क लिए चूंकि आज दे ा में महिला ि ाक्षा को अत्यन्त आव यकता है, इसलिए हरियाणा सरकार बेरी गांव में एक महिला कालेज चले जाने के बाद जो रिक्तता आ गई है, वह भरी नही जा सकती है। उनकी मृत्यु से पूरे प्रदे ा को बड़ा भारी सदमा पहुंचा है। श्री राजे ा भार्मा जो हमारे यहां आज मंत्री है, उनके पुत्र है, मै उनके प्रति और पंडित भगवत दयाल भार्मा के पूरे परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और परम पिता परमात्मा से प्रर्थाना करता हूं कि वे पंडित भगवत दयाल जी भार्मा को अपने चरणों में स्थान दे, उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करें और वे हमे ाा प्रेरणास्त्रेत बने रहें।

इसी प्रकार से श्री बिन्दे वरी दूबे जो समय–समय पर लोक सभा सदस्य भी रहे और बिहार प्रदे ा में तीन साल तक मुख्यमंत्री बने रहे। उनके चले जाने के बाद दे ा ने एक कु ाल

प्र ाासक और बहुत बढ़िया सांसद खो दिया है। मै उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसी प्रकार से श्री ि ान्दे साहब जो महाराश्ट्र से ताल्लुक रखते थे, वे केन्द्रीय मंत्रीमंडल में मंत्री पद पर रहे। उन्होंने एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दे ा की आजादी की लड़ाई में बड़ा भारी योगदान दिया। मै उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि और उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

ब्रिगेडियर रणसिंह एक महान विभूति थे जो आज हमारे बीच में नही रहे। उन्होने दो बार उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया जिसका प्रतिनिधित्व मै आज करता हूं। ब्रिगेडियर साहब बहुत उच्च कोटि के बीर सेनानी और सैनिक थे। उन्होने भारत वर्श की सीमाओं पर दे ा की रक्षा के लिए बड़े से बड़ा बलिदान देने के लिए कोई कसर नही छोड़ रखी थी उनका पुत्र जब बोर्डर पर भाहीद हुआ था तो उन्होंने कहा था कि इनका मुझे कोई अफसोस नही है, वह दे ा के लिए मर मिटा है वीर गति को प्राप्त हुंआ है। दे ा की सीमाओं की रक्षा के लिए एक सैनिक के रूप में जो काम ब्रिगेडियर साहब ने किया उसको भुलाया नही जा सकता। उन्हें वीर सिंह सैनिक के रूप में हमे ाा याद किया जाता रहेगा। न सिॅर्फ दे ा की रक्षा के लिए बल्कि अपने इलाके के नौजवानों की रोजगार देने के लिए भी उन्हें याद किया जाता रहेगा। चाहे

फौज मे रोजगार देने की बात हो, चाहे फौज रिटायरमैंट के बाद बी0 एस0 एफ0 में रोजगार दिलाने की बात हो, ब्रिगेडियर साहब ने अपले इलाके को भुलाया नही, हमें ाा याद रखा है। वे फौज रिटायरमैंट के बाद राजनीति में आए और 1968 में बेरी क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गए। उनके फौरन बाद वे अध्यक्ष पद पर भी आसीन हुए। अध्यक्ष पद पर जिस नैतिकता, निडरता निश्पाक्षता से काम किया और इस पद को सु ाोभित किया, उनको हमे ाा याद किया जाता रहेगा। अध्यक्ष के रूप में, विधायक के रूप में मंत्री के रूप में जो काम उन्होंने किया, मेरे मुद्दों पर डिफरेस होने के बाद नैतिकता के आधार पर 1980 में, विधानसभा की सदस्यता से त्याग–पत्र दे दिया था। ऐसे लोग बहुत कम मिलते है। जो सदन में वैल्यू बेस्ड पोलिटिक्स करते है। उन लोगों को जिन्होने नैतिकता को प्रैक्टिकली भाक्ल देने की कोि ा ा की, उनको हमें ाा याद किया जाता रहेगा। मै तो हरियाणा सरकार में एक अनुरोध इस बारे में करना चाहूंगा। ि ाक्षा के क्षेत्र में हमारे इलाके के अन्दर उन्हौंने बहुत काम किया है। दुजाना एक गांव है। मेरे क्षेत्र के ि ाक्षा समिति के नाम से एक ि ाक्षा समिति बनायी और कालेज बनाया। संक्षेप में बात यह है कि उनके सरकार ने टोक–ओवर करके सरकारी कालेज बनाया। मै अगर यह कहूं कि सरकारी कालेज दुजाना अकेले ब्रिगेडियर रण सिंह ने बनाया है, तो इसमें कोई गलत बात नहीं होगी। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये, ताकि आगे आने वाली पीढ़िया उनको याद करती रहें कि हमारे प्रदे ा के अन्दर ऐसे भी लोग हुए है,

ऐसे भी नेता हुए हैं जिन्होने अपनी मेहनत के सहारे ऐसे काम किये है, उस कालेज को उनके नाम के साथ जोड़ दिया जाये। इसलिये मेरा यह सुझाव है कि उनकी समृति को स्थायी बनाने के लिये जिससे आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा लेती रहे, उस गवर्नमेंट कालेज दुजाना का नाम बदल कर ब्रिगेडियर रण सिंह गवर्वमैंट कालेज कर दिया जाये। मेरी सरकार से इतनी सी गुजारि ा है। अगर ऐसा करेंगे तो यह ब्रिगेडियर रण सिंह के प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी। मै उनके निधन पर अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि आर्पिप करते हुए परम पिता परमात्मा से यह प्रर्थाना करता हूं कि वह उनकी आत्मा को अपने चरणों में उचित स्थान दे तथा उनके परिवार के सदस्यों को इस दु:ख को सहन करने की भाक्ति प्रदान करें।

इसी तरह से टेक राम जी भी एक बहुत अच्छे इन्सान थे। वह एक प्रगति भील किसान थे। मै उनकी 1960 में जानता था। वे दो बार विधायक रहे। वे एक अच्छे विधायक थे। उनके चले जाते से इस प्रदे ा की राजनीति में एक अभाव पैदा हो गया है। मै उनके प्रति भी अपनी श्रद्धांजली अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री बहाद्र सिंह जी स्वतन्त्रता सेनानी थे, का भी स्वर्गवास हो गया है। वे भी हमारे प्रदे ा कै ही बहाद्र सेनानी थे। उन्होंने नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के आह्वान पर उनके साथ दे ा की आजादी के लिये काम किया। उनके चले जाने से हरियाणा प्रदे ा की बड़ी भारी क्षति हुई है। मै उनके

प्रति भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इसके साथ ही मेवात क्षेत्र में आयोध्या प्रकरण के बाद 6 दिसम्बर, 1992 को या इसके बाद जो साम्पदायिक दंगे हुए और उनमें निर्दोश लोग मारे गये, मै उनके प्रति भी हार्दिक सम्वेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ ही करनाल के बम–बिस्फोट में जो लोग मरे गए है, उनके परिवारों के प्रति भी अपनी हार्दिक सम्वेदना प्रकट करता हूं। अन्त में मै इस भाोक प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, इस सदन के पिछले सै ान और इस अधिवे ान के बीच में हरियाणा की और दे ा की कुछ महान विभूतियां इस संसार से चली गयी है। इनमें से कई नेता थे, स्वतन्त्रता सेनानी थे जिन्होंने इस दे ा को आजाद करवाने के लिये आजादी की लड़ाई में बड़ा भाग लिया। पंडित भगवत दयाल भार्मा जी भी ऐसे ही एक व्यक्ति थे। वह बनारस हिन्दू यूनिवसिंटी से एम0 ए0 पोलिटीकल साईग्स पास करने के बाद राजनीतिक में आये। जहां वे एक स्वतन्त्रता सेनानी रहे, वहां वे संयुक्त पंजाब असैम्बली में मैम्बर भी रहे। इसके साथ ही काग्रेस के प्रेजीडेंट भी रहे। मिनिस्टर फार लेवर एंड एम्पलायमैंट भी रहे। जब हरियाणा बना तो कांग्रेस के लीडर आफ दी पार्टी होने के नाते इस स्टेट के चीफ मिनिस्टर भी रहे। उसके बाद राज्य सभा में भी चले गये। फिर सन् 1977 में वे लोक सभा के लिये भी निर्वाचित हुए। इसके अलावा, वे उड़ीसा के गवर्नर भी लगा दिये गये। फिर मध्य प्रदे ा में एज गवर्नर ट्रांसफर भी कर

दिये गये, जहां वे 1986 तक रहे। जैसे कि मैम्बर साहेबान ने बताया है, वे बहुत ही हयूमरस थे। हरेक मौके पर, चाहे दु:ख का हो या सूख का हो, उनको मजाक सूझता था। वैसे तो हमारा रोहतक–सोनीपत और उसके आप–पास का इलाका हयूमर के लिये म ाहूर है लेकिन उनके हर मजाकह का मीनिंग निकलता था।

उनके निधन से सभी को बड़ा गहरा भाोक पहुचा है। उनका निधन कल रात को ही हुआ था और यह खुद समाचार सभी को कनवें कर दिया गया था। मै उनके परिवार के साथ सहानुभूति रखता हूं भगवान तो प्रार्थना करता हू कि वह उनकी आत्मा को भाांति दे।

ब्रिग्रेडियर रण सिंह इस हाउस के मैम्बर रहे है। वे 1968 में इस सदन के स्पीकर निर्वाचित हुए और दूसरी बार 1977 में भी स्पीकर निर्वाचित हुए। वे मिनिस्टर भी रहे और वे एक अच्छे किसान थे तथा एक अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने दुजाना मे एक कालिज खोला। जैसा कि बैरी साहब ने जिक्र किया कि उनके प्रयत्नों से जो कालिज खोला गया, अगर उसका नाम उनके नाम से गवनमैंट कालिज का नाम रखा दिया जाए तो ठीक बात होगी।

इसी तरह से बिंदे वरी दूबे, एक स्वतन्त्रता सेनानी थे। वे कई दफा बिहार विधान सभा के सदस्य रहे और बिहार के चीफ

मिनिस्टर रहे तथा लोक सभा में भी रहे और राज्य सभा के भी सदस्य रहे। वे एक ट्रैड यूनियनिस्ट थे।

अन्ना साहेब ने कोआप्रेटीव सैक्टर में बहुत बड़ा काम किया है। उनके कोआप्रेटिव सैक्टर में काम करने के कारण महाराश्ट्र में भ्ागर लौबी बहुत ताकतवर है। कोआप्रेटिव सैक्टर में वहां मिल्क प्लांटस को बहुत प्रोत्साहन मिला है। यह उन्हीं की कौि ा ा का फल है। इससे वहां के किसानों को बहुत लाभ पहुंचा है। इसकी मिसाल सारे दे ा में मानी जाती है। श्री ि ादें ने ऐग्रीक्लचर और कोअप्रेटिव सैक्टर को नेतृत्व किया था और दे ा के लिए उन्होंने बहुत बड़ा काम किया। वे केन्द्र में उप मंत्री तथा राज्य मंत्री भी रहे।

श्री टेक राम एक सामाजिक कार्यकतों थे। वे इस सदन के मैम्बर भी रहे और पंजाब विधान सभा मे मुढाल क्षेत्र से सदस्य रहे।

इसी तरह से श्री बहादुर सिंह भी एक स्वतन्त्रता सेनानी थे। वे रिवाड़ी जिला के गांव भाण्डोर के रहने वाले थे। वे सिपाई के रूप में फौज में भर्ती हुए लेकिन जब सिगापुर में अंगेज फौज ने हथियार डाल दिए तो नेताजी सुभाश बोस के आह्वान पर आजाद हिन्द फौज में भर्ती हो गए। नेता जी ने सिगापुर में आई0 एन0 ए0 की कमान सम्भली और नेता जी एक मैगनेट की तरह थे और लोग उनकी तरफ खिचते थे। उनके मन में दे ा के लिए

बड़ी भारी तड़प थी उन्होंने आई0 एन0 ए0 को बहुत अच्छी तरह से आगेंनाइज किया। जब जापानी फौजों ने बर्मा में हथियार डाले थे, उसी वक्त आई0 एन0 ए0 के सिपाहियों के हिन्दुस्तान से लाकर जंगलों में कैम्पों में रखा गया। जंगलों में उनको नारों से लोगों पर बहुत असर पड़ा और दे ा की आजादी के लिए संघर्श करने की प्रेरणा मिली।

इसी तरह से करनाल में एक बम्ब ब्लास्ट में कई लोग मारे गए। यह उग्रवादियों के और काड़ों की तरह ही यह एक कांड था। मेवात क्षेत्रों मे भी कुछ ऐसा ही हुआ वह कई लोग गए। इन सभी लोगों के प्रति मैं इस हाउस के साथ अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। और जो भी इस हाउस की फीजिग्ज है, उनको मै उनके परिवारों तक पहुंचा दूगा। अब मै सभी से प्रार्थना करता हूं कि दो मिनट के लिए खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित करे।

(इस समय दिंवगत आत्माओं के सम्मन में सदन क सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

सभा का स्थगन

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै आपने निवेदन करना चाहता हूं कि आज सरकारी कार्य न करके पंडित भगवत दयाल भार्मा जी के निधन के भाौक में हाउस को कल के लिये एडजर्न कर दिया जाएं और आज का जो बचा हुआ कार्य है, जैसेकि प्रेजैन्टे ान आफ फर्स्ट रिपोर्ट बिजनैस

एडवाइजरी कमेटी, लेंइन/रिलेइंग आफ पेपर्ज इत्यादि है, को 24 फरवरी, 1993 को टेक अप कर लिया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है। अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक एडजर्न किया जाता है।

4.17 बजे

(तत्प चात् सदन बुधवार, दिनांक 24 फरवरी, 1993 प्रातः 9.30 तक स्थगित हुआ।)